अव्यवस्थाओं पर सवालिया निशान खड़े करती निष्पक्ष,निर्भीक खबरों का दैनिक संकलन

Daily NEWS ALERT

खबरों पर सरकार का पक्ष जानने के लिए लॉगिन करें:-
www.jawabdosarkar.com

जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

2020/dna/jpr/03 जयपुर संस्करण E-News-Digest, Issued in Public Interest रविवार, 26 अप्रैल 2020

01

खुलासा • श्रीगंगानगर की एक फर्म से खरीदा हाइपोक्लोराइड, बिल पंचायतों के नाम बनवाए

प्रशासन ने ₹ 18.88 लीटर में खरीदा हाइपोक्लोराइड, अनूपगढ़ बीडीओ ने वही 110 रुपए लीटर में खरीदा, लाखों का नुकसान

मनोज तिवाड़ी|श्रीगंगानगर

कोरोना संक्रमण की रोकथाम में काम आने वाले सोडियम हाइपोक्लोराइड की खरीद में भी धांधली शुरू हो गई है। अनूपगढ़ पंचायत समिति के विकास अधिकारी ने हजारों लीटर सोडियम हाइपोक्लोराइड (6 प्रतिशत) 110 रुपए लीटर के हिसाब से खरीद कर गांवों की गलियों में छिड़काव करवा दिया तथा पंचायत कर्मियों पर दबाव बनाकर अब भुगतान करवा रहे हैं। वहीं, जिला प्रशासन ने हाल ही में सोडियम हाइपोक्लोराइड (10 प्रतिशत) कोटा से 18.88 रुपए प्रति लीटर से खरीदकर मंगवाया है। अब बीडीओ का कहना है कि कलेक्टर ने वीसी में गांवों में छिड़काव करवाने के निर्देश दिए थे।

बीडीओ ने तीन हजार लीटर की और भेजी जिला परिषद को डिमांड

अनूपगढ़ विकास अधिकारी ने हजारों लीटर सोडियम हाइपोक्लोराइड महंगे दामों पर खरीदकर बिना किसी गाइड लाइन को फॉलो किए गलियों में छिड़काव करवाने के बाद अब जिला परिषद को तीन हजार लीटर की और डिमांड भेजी है। विकास अधिकारी का कहना है कि जिला परिषद को डिमांड भेजी है। आपूर्ति के बाद अब नई गाइडलाइन के अनुसार उपयोग में लिया जाएगा।

कोरोना में भी धांधली

GANPATI CHEMICALS & PHARMA

अनूपगढ़ बीडीओ ने सोडियम हाइपोक्लोराइड खरीद कर सारे बिल गांवों के नाम से ही मंगवाए गए हैं, ताकि वे शक के घेरे में न आएं। अब सबको भुगतान के आदेश दिए जा रहे हैं। भास्कर के पास इन बिलों की प्रति भी है।

हैरानी ये... खरीदा भी ज्यादा कीमत में, गुणवत्ता भी कम

अनूपगढ़ पंचायत समिति विकास अधिकारी ने प्रति पंचायत 100 से 200 लीटर तक सोडियम हाइपोक्लोराइड खरीद श्रीगंगानगर की एक फर्म से कर सभी 30 पंचायतों में भिजवाया। खरीद के बिल भी सीधे पंचायतों के नाम ही कटवाए। बिना किसी गाइड लाइन तथा बिना किसी सक्षम अधिकारी के निर्देश के गलियों में इसका छिड़काव करवा दिया। अब महंगे दामों पर खरीदे गए इस केमिकल का पंचायत कर्मचारियों पर दबाव बनाकर भुगतान करवा रहे हैं। विकास अधिकारी द्वारा सोडियम हाइपोक्लोराइड खरीद कर पंचायतों को देने का खुलासा पंचायत समिति के वाट्सएप ग्रुप से हुआ। इस ग्रुप से बीडीओ सहित सभी पंचायतों के ग्राम विकास अधिकारी जुड़े हुए हैं। बीडीओ ने 30 मार्च को ग्रुप में सभी ग्राम विकास अधिकारियों से सोडियम हाइपोक्लोराइड की डिमांड मांगी तथा पंचायत समिति के इंद्राज नामक कर्मचारी की डिमांड नोट करने के लिए ड्यूटी लगाई। इसके बाद दो अप्रैल को ग्रुप में फिर से लिखा कि जिन्होंने डिमांड नहीं दी है वे अभी नोट करवाएं गाड़ी अभी गंगानगर जाएगी। सोडियम हाइपोक्लोराइड मंगवाने के बाद इसी वाट्सएप ग्रुप में ग्राम विकास अधिकारियों को तुरंत भुगतान कर सूचित करने के निर्देश दिए। नौ अप्रैल को प्रत्येक पंचायत में विकास अधिकारियों को 50 से 100 लीटर सोडियम हाइपोक्लोराइड का स्टॉक रखने के निर्देश दिए। इससे अगले ही दिन बीडीओ ने फिर से ग्रुप के माध्यम से भुगतान से वंचित विकास अधिकारियों को 11 बजे तक हर हाल में भुगतान कर सूचित करने के निर्देश दिए। जिला प्रशासन ने हाल ही में सोडियम हाइपोक्लोराइड 10 प्रतिशत कोटा से 18.88 रुपए प्रति लीटर के हिसाब से खरीदकर मंगवाया है। जबकि अनूपगढ़ विकास अधिकारी ने इससे लगभग आधी क्षमता का सोडियम हाइपोक्लोराइड पांच गुणा से भी अधिक रेट पर खरीदना दिखाया है।

यह है नियम

सोडियम हाइपोक्लोराइड उपयोग के ये हैं दिशा-निर्देश: एक लीटर 10 प्रतिशत सोडियम हाइपोक्लोराइड में 199 लीटर सामान्य पानी तथा पांच प्रतिशत सोडियम हाइपोक्लोराइड में 99 लीटर पानी मिलाकर घोल तैयार कर चार घंटे के भीतर उपयोग में लें। यह घोल खुले में तैयार करें। गर्म पानी या डिटर्जेंट नहीं मिलाएं। घोल तैयार करते उपयोग में लेने के वक्त मास्क, दस्ताने का उपयोग करें व चश्मा पहनें। मिश्रित घोल का स्प्रे हाथ वाली ढोलकी से करें, बेटरी से संचालित नहीं हो। इस घोल से उन चीजों को साफ करें। जैसे मेज कुर्सी फर्नीचर, बाइक, कार हैंडल, गेट, खिड़कियां एवं इनके हैंडल, अलमारी, फ्रिज के हैंडल, कंप्यूटर की बोर्ड, रैलिंग, प्रिंटर, टेलीफोन, मोबाइल, चार्जर आदि सूती कपड़े को इस घोल से साफ करें। मिश्रित घोल का स्प्रे नालियों में नहीं करें। घरों में सप्ताह में दो बार इस घोल से पोंछा लगाया जा सकता है। यदि कहीं पॉजिटिव मरीज पाया जाता है तो बीसीएमओ, पीएचसी, सीएचसी डॉ. से राय लेकर ही स्प्रे करें।

हाइपोक्लोराइड 10 प्रतिशत वाला मंगाया था, कम भेजा है तो कार्रवाई करेंगे: बीडीओ

श्रीगंगानगर की फर्म से सोडियम हाइपोक्लोराइड 10 प्रतिशत खरीदने की बात हुई थी। छह प्रतिशत भेजा है तो कानूनी कार्रवाई करेंगे। रही बात छिड़काव करवाने की तो कलेक्टर ने वीसी में गांवों को संक्रमण मुक्त करने के लिए इसका छिड़काव करवाने के लिए कहा था। हमने तो गलियों में भी छिड़काव करवाया है।

धीरज बाकोलिया, विकास अधिकारी अनूपगढ़।

जानकारी में नहीं मामला, जांच करवाकर बीडीओ पर कार्रवाई करेंगे: जिप सीईओ

अनूपगढ़ बीडीओ द्वारा महंगे रेटों पर सोडियम हाइपोक्लोराइड खरीदकर गलियों में छिड़काव करवाने का मामला मेरी जानकारी में नहीं है। ऐसा हुआ है तो जांच करवाकर दोषी पाए जाने पर बीडीओ के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

महावीर सिंह राजपुरोहित, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद श्रीगंगानगर।

इतने महंगे दामों पर खरीदना गलत, हमने 18.88 रुपए लीटर खरीदा- मो. जुनैद

जिला प्रशासन व नगर परिषद की ओर से कोटा से सोडियम हाइपोक्लोराइड 18.88 रुपए प्रति लीटर के हिसाब से खरीदकर मंगवाया गया है। किसी पंचायत समिति में यदि छह प्रतिशत ही 110 रुपए लीटर के हिसाब से खरीदा गया है तो गलत है।

मोहम्मद जुनैद, प्रशिक्षु आईएएस, श्रीगंगानगर।

संबन्धित समाचार पत्र एवं संस्करण:-दैनिक भास्कर,श्रीगंगानगर	प्रकाशन दिनांक:-24/04/2020
जिम्मेदार विभाग:-जिला परिषद,श्रीगंगानगर	संबन्धित मामला:-भ्रष्टाचार

02

मनमर्जी • मनरेगा संविदा कर्मचारी संघ ने की मुख्य कार्यकारी अधिकारी से शिकायत

बीडीओ पर अभद्रता करने का आरोप

भास्कर न्यूज | छबड़ा

मनरेगा संविदा कर्मियों ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं अतिरिक्त कार्यक्रम समन्वयक जिला परिषद को शिकायत कर पंचायत समिति के बीडीओ पर मनरेगा संविदा कार्मिक के साथ अभद्र व्यवहार एवं हाथापाई करने सहित अन्य अनियमितता बरतने के आरोप लगाए हैं।

कर्मियों ने पत्र में कहा कि शुक्रवार को वीसी से पूर्व कंप्यूटर कक्ष में बीडीओ ने आकर डाटा एंट्री ऑपरेटर हरिओम भारद्वाज के साथ अभद्र व्यवहार और हाथापाई की। सात-आठ दिन पहले भी सहायक कर्मचारी कमलेश शर्मा के साथ अभद्र व्यवहार एवं हाथापाई की थी। संविदाकर्मियों ने आरोप लगाया कि बीडीओ आए दिन मनरेगा कार्मिकों के साथ अभद्र व्यवहार कर रहे हैं।

लॉकडाउन के दौरान सभी कार्मिकों को एक साथ ऑफिस में बुलाया जा रहा है, जबकि अतिरिक्त मुख्य सचिव के लॉकडाउन अवधि में रोटेशन के आधार पर तीस प्रतिशत कार्मिक बुलाने के आदेश हैं, लेकिन महात्मा गांधी नरेगा कार्मिकों का कार्य करने के बाद भी शोषण किया जा रहा है। तीन ग्राम पंचायतों के कार्य के अतिरिक्त भी अन्य योजनाओं का कार्य करने का दबाब बनाया जाता रहा है।

आयुक्त ईजीएस मनरेगा ने कार्मिकों को अन्य योजना में नहीं लगाने के निर्देश दे रखे हैं, लेकिन बीडीओ की ओर से प्रिया सॉफ्ट, प्रधानमंत्री आवास शाखा, पेंशन शाखा, स्वच्छ भारत मिशन शाखा आदि में दिन-रात ड्यूटी लगाई जा रही है। इन योजनाओं में आउट सोसिंग के माध्यम से कंप्यूटर ऑपरेटर का बिल लगाया जाता है, जबकि कार्य मनरेगा संविदा कार्मिकों द्वारा कराया जाता है। मनरेगा संविदा कार्मिकों के लिए ड्यूटी के दौरान संक्रमित होने तथा इलाज के दौरान असामयिक मृत्यु होने पर भी किसी तरह की सहायता राशि देय नहीं है, जबकि अन्य संविदाकार्मिकों को देय है।

मनरेगा संविदा कर्मचारी संघ ने बीडीओ की ओर से व्यवहार में सुधार नहीं करने एवं राज्य सरकार मनरेगा कार्मिकों को बीमा कवर में नहीं लेने तक कार्य नहीं करने व कार्यालय में भी नहीं आने की चेतावनी दी है।

कर्मचारियों से अभद्रता व हाथापाई की बात पूरी तरह से निराधार है। कर्मचारी बताया हुआ काम समय पर नहीं कर रहे, जो सूचनाएं मांगी गई थी, वह नहीं दी गई। इसको लेकर उन्होंने समय पर कार्य निबटाने के निर्देश दिए थे। जिसकी सूचना सीईओ जिला परिषद बारां को भी दी है। 10 दिन पूर्व कर्मियों से जो सूचना चाही गई थी, अब तक नहीं दी। समय पर कार्य नहीं करने से लक्ष्य में पिछड़ रहे हैं।

-हेमराज मीणा, बीडीओ, छबड़ा

संबन्धित समाचार पत्र एवं संस्करण:-दैनिक भास्कर,बारां	प्रकाशन दिनांक:-26/04/2020

03

जिम्मेदार विभाग:-जिला परिषद,बारां	संबन्धित मामला:-अव्यवस्था

एकेएच के चिकित्सकों का विरोध प्रदर्शन जारी, काली पट्टी बांधकर दे रहे हैं सेवाएं

भास्कर न्यूज | ब्यावर

राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय के चिकित्सकों तथा एसडीएम के बीच उपजा विवाद खत्म नहीं हुआ है। इसके चलते अस्पताल के चिकित्सकों का विरोध प्रदर्शन भी जारी है। शनिवार को भी विरोध प्रदर्शन के दौरान सभी चिकित्सकों तथा कार्मिकों ने हाथ पर काली पट्टी बांधकर ही अपनी सेवाएं दी। उधर विवाद के बाद शनिवार को भी एसडीएम ने चिकित्सकों से वार्ता नहीं की।

जानकारी मिली है कि जिला कलेक्टर ने एसडीएम की और से अस्पताल पीएमओ को जारी किया नोटिस भी निरस्त कर दिया है लेकिन चिकित्सक अभी भी अपना विरोध जता रहे हैं। मालूम हो कि विगत दिनों कोरोना वायरस संक्रमण संबंधी आंकड़ों व रिपोर्ट को लेकर चिकित्सकों व एसडीएम के बीच विवाद हो गया था। इस के बाद चिकित्सकों ने एसडीएम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया था। पूर्व में प्रतिदिन दो घंटे के कार्य बहिष्कार की चेतावनी चिकित्सकों की ओर से दी गई थी लेकिन रोगियों के हित को ध्यान में रखते हुए चिकित्सकों ने केवल हाथ में काली पट्टी बांधकर ही अपना विरोध जताने का निर्णय लिया था।

संबन्धित समाचार पत्र एवं संस्करण:-दैनिक भास्कर,ब्यावर	प्रकाशन दिनांक:-26/04/2020
जिम्मेदार विभाग:-जिला प्रशासन,चिकित्सा विभाग,ब्यावर	संबन्धित मामला:-अव्यवस्था

04

अनदेखी • कई माह गैरहाजिर रहते हुए कूट रचित हस्ताक्षरों से सैंपऊ सीएचसी से वेतन उठाने का मामला

डॉक्टर व सीएचसी इंचार्ज के खिलाफ जांच बेनतीजा

भास्कर संवाददाता | सैंपऊ

कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात डॉ. दयाराम यादव के कई माह से गैरहाजिर रहते हुए लाखों रुपए वेतन उठाने के मामले में सीएचसी इंचार्ज डॉ. चरणजीत सिंह चौहान की सांठगांठ एवं संदिग्ध भूमिका को लेकर कलेक्टर के निर्देश पर चिकित्सा विभाग द्वारा की गई जांच अभी तक किसी भी नतीजे पर नहीं पहुंची है।

इस मामले में अब तक सीएचसी इंचार्ज एवं अकाउंटेंट को केवल 17 सीसी नोटिस देने की कार्रवाई ही की गई है। हालांकि मामले की विस्तार से जांच के लिए अस्पताल इंचार्ज एवं चिकित्सक दयाराम यादव सहित तीन अन्य चिकित्सकों के अलावा 1 दर्जन से अधिक चिकित्सा कर्मियों के बयान भी लिए गए हैं। इस सब के बावजूद अब तक दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। मामले की जांच में बरती जा रही ढिलाई को लेकर लोगों में आक्रोश है। लोगों का आरोप है कि 14 दिन बाद भी जांच बेनतीजा है।

उल्लेखनीय है कि कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात एक चिकित्सक के कई माह से गैर हाजिर रहते हुए सीएचसी इंचार्ज की मिलीभगत एवं सांठगांठ से घर बैठे ही वेतन के लाखों रुपए भुगतान उठा लेने के मामले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ गोपाल गोयल के द्वारा 11 अप्रैल को जांच में उपस्थिति पंजिका में डॉ यादव के कूट रचित हस्ताक्षर मिलने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इंचार्ज की भूमिका को संदिग्ध माना था। मामले को लेकर दैनिक भास्कर ने अस्पताल प्रभारी द्वारा कोरोना संकट के दौरान अस्पताल में तैनात एक चिकित्सक के कई माह से गैरहाजिर रहने के बावजूद लाखों रुपए का वेतन भुगतान कराने का मामला प्रमुखता से प्रकाशित किया था। विभाग द्वारा सीएमएचओ एवं डिप्टी सीएमएचओ के साथ जिला मुख्यालय से आए डबल एओ, अकाउंटेंट आदि कार्मिकों की टीम ने अस्पताल के रिकॉर्ड एवं ओपीडी पर्चियों की गहनता से जांच की थी। लेकिन जांच के 2 सप्ताह बीत जाने के बाद अभी तक बेनतीजा रहने से भ्रष्टाचार में शामिल दोषी चिकित्सक एवं कर्मचारियों के हौसले बुलंद बने हुए है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोपाल गोयल ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात एक चिकित्सक और सीएचसी इंचार्ज के द्वारा साठगांठ एवं कूट रचित हस्ताक्षरों से लाखों का वेतन भुगतान उठाने के मामले की जांच पूरी करके जिला कलेक्टर को कार्यवाही के लिए भेजी है। जांच में अस्पताल में तैनात चिकित्सकों के साथ चिकित्सा कर्मियों के बयान दर्ज करने के साथ कर्मचारी उपस्थिति पंजिका के साथ ओपीडी पर्ची का रिकॉर्ड भी भेजा है।

प्रथम दृष्टया यह गबन का मामला है, मामले में जिन लोगों की भूमिका संदिग्ध है उनके खिलाफ जरूर कार्रवाई होगी।

संबन्धित समाचार पत्र एवं संस्करण:-दैनिक भास्कर,धौलपुर	प्रकाशन दिनांक:-26/04/2020
जिम्मेदार विभाग:-चिकित्सा विभाग,धौलपुर	संबन्धित मामला:-गबन,धोखाधड़ी

05

युवक को नाम के आगे सिंह लगाना पड़ा भारी, बदमाशों ने की पिटाई

करड़ा के सांवलावास गांव का मामला

भास्कर न्यूज | करड़ा

एक युवक को खुद के नाम के आगे सिंह लगाना इतना भारी पड़ा कि कुछ युवकों ने सुनसान जगह पर ले जाकर उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। मारपीट के दौरान बदमाश उससे यही पूछते रहे कि तुमने नाम के आगे सिंह कैसे लगा दिया। यही नहीं, बदमाशों ने मारपीट करते हुए का वीडियो भी बनाया जिसे सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया। शुक्रवार को स्थानीय पुलिस थाने में पीडित की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सांवलावास निवासी दिलीप भाटी (23) पुत्र घेवाजी भाटी ने रिपोर्ट दी कि 21 अप्रैल को लॉकडाउन होने के कारण वह परिवार के साथ घर पर ही था। दोपहर 3 बजे लाल रंग की कार उसके घर के आगे आके रुकी। कार में सवार जीतू नाम के

करड़ा. युवक के साथ मारपीट करते बदमाश।

युवक ने उसे घर से बाहर बुलाकर कुछ काम के लिए साथ चलने को कहा। इस पर उसने लॉकडाउन होने के कारण चलने से मना कर दिया तो जीतू सहित नारायणसिंह और कार में मौजूद अन्य लड़कों ने जबरदस्ती उसे कार में डालकर सुनसान जगह पर ले गए। वहां पर पहले से केपी बन्ना सहित 10-12 अन्य लड़के मौजूद थे। इन सभी ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट करनी शुरू कर दी। बदमाश इस दौरान उससे यही पूछते रहे तूने तेरे नाम के आगे सिंह कैसे लगाया। मारपीट के बाद सभी बदमाश युवक को छोड़कर फरार हो गए।

पैर पकड़कर माफी मंगवाई, सोशल मीडिया पर वीडियो किए वायरल : बदमाशों ने इस दौरान युवक से नाम के आगे सिंह लिखने पर सभी के पैर पकड़वाकर माफी मंगवाई, वहीं उसके साथ मारपीट करते का वीडियो बनाया। यह वीडियो बाद में खुद बदमाशों ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। इधर, पुलिस थाने में शुक्रवार को आरोपियों के विरुद्ध नामजद रिपोर्ट दर्ज होने के बाद सभी की तलाश की जा रही है। अभी तक इस मामले में किसी की गिरफ्तार नहीं हुई है।

आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा

पीड़ित युवक की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण भी किया है। इस मामले में आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।
– लालाराम, थानाधिकारी, करड़ा

संबन्धित समाचार पत्र एवं संस्करण:-दैनिक भास्कर,जालोर	प्रकाशन दिनांक:-26/04/2020
जिम्मेदार विभाग:-पुलिस थाना,करडा,जालोर	संबन्धित मामला:-मारपीट

06

भास्कर खुलासा

सीआई व कांस्टेबल की साजिश से 2 साल दबी रही दो पिस्टल की कहानी

अब मामला सामने आया तो भी पुलिस ने आर्म्स एक्ट में लावारिस बता दिया

कुख्यात आरोपी से सीआई ने दो पिस्टल पकड़ी, जब्त नहीं की, कांस्टेबल को दे दी

कन्नू भीलवारा | पाली

अजब पुलिस का गजब कारनामा : बाइक चोरों की गैंग पकड़ी तो उजागर हुई करतूत

रायपुर थाने में लावारिस हालत में एक पिस्टल व देसी कट्टा मिलने के मामले में चौंकाने वाली जानकारी मिली है। यह हथियार दो साल पहले यूपी के हथियार तस्कर अंकित शर्मा व रायपुर के कनेर का वाडिया (हरिपुर) निवासी सुखदेवसिंह रावत के कब्जे से पकड़े थे। तत्कालीन थानाप्रभारी गौरव अमरावत ने इनको बरामद करने के बजाय कांस्टेबल बलराजसिंह निवासी धंधेड़ी को सौंप दिए थे। बाद में सुखदेवसिंह रावत की निशानदेही पर पुलिस ने हथियार तस्कर अंकित शर्मा को पकड़ा व उसके कब्जे से भी हथियार बरामद किया था। दो-तीन दिन बाद अंकित शर्मा फरार हो गया। फिर भी पुलिस ने सुखदेवसिंह और अंकित को आरोपी नहीं बनाया था। ये दोनों हथियार कांस्टेबल के पास ही रहे। कुछ दिन पहले सोजत थाना व जिला विशेष टीम ने कुख्यात वाहन चोर गिरोह के चार आरोपियों को पकड़ा। इनमें सुखदेवसिंह रावत भी शामिल है। रावत ने पूछताछ की तो यह सच उगला था। इसके बाद पुलिस ने दोनों हथियार जब्त तो कर लिए, मगर इसे थाने की सफाई के दौरान मिलना बताते हुए कांस्टेबल को बचा लिया।

दो हथियारों की इस कहानी की पटकथा 29 जुलाई 2018 को लिखी गई थी। रायपुर थाने के तत्कालीन एएसआई अन्नाराम ने झूठा के समीप देवाराम जाट नामक युवक को पकड़ा था। उसके पास से एक देसी कट्टा बरामद किया, जिसे सुखदेवसिंह रावत से खरीदा था। तत्कालीन एसएचओ अमरावत ने सुखदेवसिंह को पकड़ा तो उसने खुलासा किया कि उसे यह हथियार यूपी के नामी हथियार तस्कर अंकित शर्मा ने दिए। सुखदेव ने अपने रसूखात से कथित सांठगांठ कर मुकदमे से अपना नाम मुल्जिम की सूची से बाहर रखवा दिया। सुखदेव की मदद से पुलिस ने अंकित शर्मा को पकड़कर उसके कब्जे से दो पिस्टल बरामद की। मगर इसकी कागजों में बरामदगी नहीं बताई और ना ही अंकित शर्मा की गिरफ्तारी बताई। क्योंकि हथियार तस्कर ने भी पुलिस को झांसे में लिया कि वह हथियारों की बड़ी खेप पकड़वा सकता है। पुलिस उसे लेकर राजसमंद गई, लेकिन वह चकमा देकर पुलिस हिरासत से भाग गया। सुखदेव व अंकित से मिली पिस्टल थाना प्रभारी ने कांस्टेबल बलराजसिंह को थमा दी, जिसे वह 2 साल से अपने पास ही रखे हुए था। कांस्टेबल बलराज एसएचओ का एलसी है, जो उनकी फाइलें लिखने के साथ लाइजनिंग का काम भी करता है।

डीजल चोरी, हथियार खरीदने जैसे अपराधों में शामिल रहा है रावत

आरोपी सुखदेव सिंह रावत सेंदड़ा में डीजल चोरी, हथियारों की खरीद-फरोख्त समेत कई आपराधिक वारदातों में भी शामिल रहा है। रावत ने पुलिस को यह भी बताया था कि इन हथियारों के बूते पर कांस्टेबल उसके कब्जे में एक भूखंड को खाली कराने का दबाव भी बना रहा है। कांस्टेबल उसे धमका रहा है कि अगर इस भूखंड पर कब्जा नहीं छोड़ा तो वह उसे आर्म्स एक्ट में फंसा देगा।

पाली. तत्कालीन सीआई गौरव अमरावत और कांस्टेबल बलराजसिंह।

2018 से अब तक 4 थानेदार रहे, किसी को पता नहीं चला

रायपुर थाने में 5 मई 2018 से 8 सितंबर 2018 तक गौरव अमरावत थानाप्रभारी रहे, इनके कार्यकाल में ही यह मामला हुआ। इसके बाद 9 सितंबर 2018 से 9 फरवरी 2019 तक सवाई सिंह राठौड़ सीआई रहे। 9 फरवरी 2019 से 8 दिसंबर 2019 तक सुरेश चौधरी ने कार्यभार देखा। इसके बाद सीआई भगाराम मीणा भी 8 दिसंबर 2019 से 28 फरवरी 2019 तक रहे। अब सीआई जसवंत सिंह राजपुरोहित थाना प्रभारी है। गौरव अमरावत को छोड़ बाकी किसी अफसर को पिस्टल-देसी कट्टा के बारे में पता ही नहीं चला, न ही कांस्टेबल बलराज ने बताया।

दोषी अधिकारी और कर्मचारी किसी भी सूरत में नहीं बचेंगे : एएसपी

रायपुर थाने में पिछले दिनों के पिस्टल व देसी कट्टा मिला था, जिसे पुलिस ने बरामद किया है। इस हथियार तस्करी के नेटवर्क का पता लगाने एवं दोषी अधिकारी-कर्मचारी की भूमिका का पता लगाने के लिए ही एसपी राहुल कोटोकी ने जांच के बिंदु तय कर निर्देश दिए हैं। 2 साल से बिना जब्ती के हथियार कांस्टेबल द्वारा संरक्षण में रखना पाया गया और तत्कालीन थाना प्रभारियों की भूमिका मिली तो कार्रवाई होगी।

-रामेश्वरलाल, एएसपी पाली

संबन्धित समाचार पत्र एवं संस्करण:-दैनिक भास्कर,पाली	प्रकाशन दिनांक:-26/04/2020
जिम्मेदार विभाग:-पुलिस विभाग,पाली	संबन्धित मामला:-पद का दुरुपयोग,मिलीभगत